मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5

BMAF–001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.एम.ए.एफ.-001 : मैथिली में आधार पाठ्यक्रम

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *सभी प्रश्नक उत्तर तिरहुता अथवा देवनागरी में लिखू।*

---

1. एहि शब्दक देशज रूप लिखू : 5

   (क) वर्तिका

   (ख) लवण

   (ग) रश्मि

   (घ) निष्ठुर

   (ङ) नृत्य

2. एहि शब्दक पर्यायवाची लिखू : 5

(क) राजा

(ख) फूल

(ग) झूठ

(घ) जीव

(ङ) कुल

3. एहि शब्दक वाक्य बनाउ : 5

(क) नेना

(ख) खोराकी

(ग) टनटन

(घ) ढेकुल

(ङ) डोरही

4. वाक्य बनबैत एहि कहौतक अर्थ स्पष्ट करू : 5

(क) पिठिया ठोक

(ख) मोन खनहन

(ग) हाथ मलब

(घ) टेढ़ी देखायब

(ङ) टेक राखब

5. ई पाबनि कहिया–कहिया मनाओल जाइछ : 5

(क) उक्का पाती

(ख) सुकराती

(ग) तिलासंक्रान्ति

(घ) बरिसाति

(ङ) जूड़शीतल

6. निम्नलिखित अवतरणक 150 शब्द मे व्याख्या करू : 7

प्रथमहि सङ्कर सासुर गेला। बिनु परिचय उपहास पड़ला॥

पुद्दिओ न पुद्दलक बैसलाह जहाँ। निरधन आदर के कर कहाँ॥

हिमगिरि मण्डप कौतुक–रसी। हेरि हसल सब बुढ़ तपसी॥

से गुनि गौरि रहलि सिर नाए। के कहत मा के तोहर जमाए॥

साप सरीर ओ काँख बोकाने। प्रकृति औखध जग केदहु जाने॥

भनइ विद्यापति सहज कहू। आडम्बरे आदर हो सबतहू॥

अथवा

उपदेशक तोँ सबसँ महान।

चिन्ता नहि, कतबो उन्नत थल, खसि कते बेरि चढ़ि बनह सफल।

सबतरि हम देखलहुँ तोहर सन उद्देश्यक पक्का क्यो न आन॥

सङ्कुरमे हारि एकैस बेर, तैमूरलङ्ग बुझि कर्मफेर।

मरबाक हेतु उद्यत तोरे शिक्षासँ विजयी छथि प्रमाण॥

क्यों करथि जाहि दिशिसँ फराक, तेम्हरहि चलबा केर करह ताक।

सिखबह जनु केहनो विघ्न-जलधि साहस-जहाजसँ करू प्रयाण॥

7. 'हथटुट्टा कुरसी' शीर्षक एकांकीक विषय-वस्तुसँ परिचय कराउ। 7

8. तीन सच शब्द में कोनो एक साहित्यिक विभूतिक साहित्यिक परिचय कराउ : 7

(क) विद्यापति

(ख) चन्दा झा

(ग) ज्योतिरीश्वर

9. कोनो **एक** विषय पर निबन्ध लिखू : 4

(क) पुस्तकालयक महत्त्व

(ख) साहित्य में यथार्थक प्रतिपादन

(ग) अपन प्रिय कवि

× × × × ×